भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1397

उत्तर देने की तारीख 09.02.2026

मध्य प्रदेश में सीएफपीजी का उपयोग

1397. श्री विष्णु दत्त शर्मा :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों, उत्सवों, कार्यशालाओं तथा स्थानीय विरासत के संवर्धन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं उत्पादन अनुदान (सीएफपीजी) अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रम अनुदान योजना (सीएफजीएस) का संचालन किया जा रहा है;

(ख) क्या मध्य प्रदेश के कटनी, पन्ना अथवा खजुराहो नगर में आयोजित किसी उत्सव, विरासत कार्यक्रम या सामुदायिक कला गतिविधि के लिए सीएफपीजी/सीएफजीएस के अंतर्गत कोई अनुदान राशि प्रदान की गयी है;

(ग) यदि हाँ, तो कार्यक्रम का नाम, अनुदान राशि, तिथि, स्थानीय सहभागिता तथा सृजित स्थानीय रोजगार के अनुमान सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो स्थानीय सांस्कृतिक उत्सवों हेतु सहायता प्रदान न किए जाने के कारण और इस संबंध में विद्यमान बाधाएँ क्या हैं; और

(ङ) इन जिलों में सांस्कृतिक पर्यटन और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए सीएफपीजी/सीएफजीएस के उपयोग हेतु सरकार की कार्य-योजना क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी हाँ, संस्कृति मंत्रालय कला संस्कृति विकास योजना की समावेशी स्कीम के अंतर्गत 'सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान स्कीम (सीएफपीजीएस)' का संचालन करता है।

(ख) से (घ): सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान स्कीम (सीएफपीजी) के अंतर्गत मध्य प्रदेश राज्य सहित देश भर के पात्र गैर-सरकारी संगठनों, न्यासों, सोसाइटियों और विश्वविद्यालयों को संगोष्ठियां, सम्मेलन, अनुसंधान, कार्यशालाएं, महोत्सव, प्रदर्शनियां, विचारगोष्ठियां, नृत्य, नाट्य-रंगमंच, संगीत सृजन आदि के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय द्वारा इस स्कीम के तहत प्राप्त आवेदनों का शहर-वार विवरण नहीं रखा जाता है। तथापि, विगत तीन वित्त वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश राज्य को जारी किए गए अनुदान का विवरण निम्नानुसार है:-

(लाख रुपए में)

वित्त वर्ष	**सहायता प्राप्त संगठनों की संख्या**	**जारी की गई राशि**
2022-23	141	264.90
2023-24	161	155.17
2024-25	100	202.89

(ङ): सीएफपीजी स्कीम के अंतर्गत, संवादात्मक मंचों जैसे सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, विचारगोष्ठियों, उत्सवों और प्रदर्शनियों के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत, कला, साहित्य और अन्य रचनात्मक प्रयासों के संरक्षण और संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित प्रस्तुतियों के लिए अनुदान प्रदान किया जाता है। इन पहलों के माध्यम से, मंत्रालय का लक्ष्य सांस्कृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना, समावेशी और सतत सांस्कृतिक वातावरण को बढ़ावा देना और देश भर में भारत के सांस्कृतिक पर्यटन और आजीविका की निरंतर जीवंतता, सुलभता सुनिश्चित करना है।

*****